आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा सौभाग्य

मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-08 ● अंक » 87 ● मुद्रण तारीख » 1 फरवरी-2019 ● कुल पृष्ठ » 24

ज़िन्दगी होगी बेहतर जब आप करेंगे कन्यादान

विशाल निःशुल्क सर्वधर्म दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह

दिनांक : 2 व 3 मार्च, 2019 | स्थान : राजौरी गार्डन (दीपाली टेन्ट), पुलिस थाने के पास, दिल्ली-27

आयोजक : नारायण सेवा संस्थान एवं सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

खुशियों के पल आपके संग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोषाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवा सौभाग्य
1 फरवरी, 2019

वर्ष 08 अंक 87 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 24

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

सेवा परमो धर्म ट्रस्ट
हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : 0294-6655555
फेक्स नं. : 0294-6655570
मो नं. : 09929777773

Web » www.spdtrust.org
E-mail » info@spdtrust.org

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

शोध — गम्भीर रोग न बन पाए बैक पेन

अन्य स्तंभ

- अपनों से अपनी बात 04
- मन मस्तिष्क से जुड़ी क्रिया 06
- श्री राम कथा व दीन बन्धु वार्ता 07
- दिव्यांगों के कौशल ने जीता दिल 08
- प्रयागराज कुम्भ में सेवा शिविर 09

जन्मोत्सव — मानव जी का 73वें वर्ष में प्रवेश पर अभिनन्दन

- मिलन फिर देख सकेंगे दुनिया 09
- रक्तदान शिविर 11
- सेवा को समर्पित: आर एस अरोड़ा 11
- दिव्यांगों को मिले उपहार 12
- शहर-गांव में भक्ति प्रवाह 14
- झीनी-झीनी रोशनी 15

सहायता — आपश्री की प्रतीक्षा में.....

- ऑर्थोपेडिक सर्जरी की दी जानकारी 16
- दानवीर भामाशाहों का आभार 16
- दान सहयोग हेतु अपील 17
- शिविर सहयोग 18
- संस्थान के आश्रम 21
- संस्थान के बैंक एकाउण्ट नम्बर 23

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

बुरा वक्त,मित्रता की कसौटी

सच्चा मित्र वही है, जो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी न केवल साथ खड़ा रहे। बल्कि खतरों से खेलने पर अमादा होकर मित्र को बचाने के लिए तत्पर रहे।

एक राजा की उसी राज्य के एक सज्जन व्यक्ति से मित्रता थी। दोनों एक दिन टहलते हुए जंगल की तरफ निकल गये। राजा ने एक फल तोड़ उसके छः टुकड़े किये।

एक टुकड़ा अपने मित्र को दिया। मित्र ने उसे खाकर और मांगा। राजा ने दे दिया। जब तीसरा मांगा तो राजा ने थोड़ा सकुचाते हुए वह भी दे दिया। मित्र ने जब शेष टुकड़े भी मांगे तो राजा ने मन मारकर उसे दो और टुकड़े दे दिये। मित्र वे टुकड़े भी बड़े चाव से खा गया और छठे की मांग कर दी।

इस पर राजा मन ही मन क्रुद्ध हो गया कि कैसा मित्र है, पूरा फल स्वयं खाना चाहता है। तब राजा ने कहा- यह टुकड़ा तो मैं ही खाऊँगा, तुम्हें नहीं दूँगा।

ऐसा कहने के उपरांत राजा ने वह टुकड़ा मुँह में डाला और चबाते ही झट से थूंक दिया, क्योंकि वह बहुत ही कड़वा था। राजा ने कहा- हे मित्र! तुमने कड़वे फल के पाँच टुकड़े बिना शिकायत ही खा लिये। मैं तो मन में यह सोच रहा था कि फल बहुत मीठा होगा और तुम पूरा फल खाना चाह रहे हो परंतु जब मैंने खाया तब पता चला कि तुम मुझे कड़वा फल नहीं खाने देना चाहते थे। फल के इस कड़वे स्वाद के कारण तुमने यह सब किया। तुमने यह क्यों नहीं बताया कि यह फल इतना कड़वा है? इस पर मित्र ने उत्तर दिया- राजन, आपने मुझे कई बार मीठे फल खिलाए। एक बार अगर कड़वा फल आ गया तो मैं कड़वा कहूँगा क्या? आपने मुझ पर अनगिनत उपकार किये हैं, अगर एक बार कष्ट आ गया तो मैं क्या वह कष्ट आपको बताऊँगा? । राजा मित्र की बात सुनकर बहुत प्रसन्न हो गया और उसे गले लगा लिया। एक मित्र को दूसरे मित्र के सुख-दुःख में बराबर का भागीदार होना चाहिए। मित्रता भेदभाव नहीं देखती है। सच्चा मित्र वही है, जो कठिन से कठिन हालत में भी साथ खड़ा रहे।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

विवेक से मिलेगी सफलता

यदि व्यक्ति विवेक से काम ले तो कठिन से कठिन परिस्थितियां भी आसान हो सकती हैं। विवेक और परिश्रम ही सफल जीवन की कुंजी है।

एक धनवान सेठ के चार पुत्र थे। एक दिन उसके मन में प्रश्न उठा कि इन चारों में से किसे अपनी सम्पति का मुखिया बनाऊँ? उसने एक उपाय सोचा। अपने चारों पुत्रों को बुलाया और प्रत्येक को 5-5 गेहूँ के दाने देकर कहा कि मैं कुछ समय के लिए बाहर जा रहा हूँ। इन दानों का तुम सभी सदुपयोग करना। जो इनका सर्वश्रेष्ठ उपयोग करेगा, उसे मैं अपनी संपत्ति का मुखिया बनाऊँगा। सबसे बड़े बेटे ने सोचा-मैं सबसे बड़ा हूँ तथा सम्पूर्ण सम्पति का स्वामी तो मैं ही बनूँगा, क्या करना है, इन दानों को सहेजकर और उसने वे दानें फैंक दिये।

दूसरे बेटे ने सोचा कि दाने सम्भाल कर रखना चाहिए ताकि जब पिताजी वापस आएँगे तो उन्हें पुनः सुरक्षित लौटा सकूँ। उसने पाँचों दाने घर के पूजा स्थल में भगवान् के श्रीचरणों में रख दिए।

तीसरा बेटा कोई निर्णय ही नहीं ले पाया।

चौथा और सबसे छोटा बेटा बुद्धिमान था। उसने पाँचों दानों को खेत के एक कोने में बो दिया। खाद-पानी दिया, धीरे-धीरे उन पाँच दानों से गेहूँ के पौधे उगे और उनकी बालियों से अनेक दानें मिले। उसने उन दानों को पुनः खेत में बोया और धीरे-धीरे पूरे खेत में गेहूँ की फसल लहलहाने लगी उसके पास कई बोरी गेहूँ का भण्डारण हो चुका था।

कुछ वर्ष बाद पिता जब लौटे तो उन्होंने सभी पुत्रों को अपने पास बुलाया और गेहूँ के दानों के उपयोग के बारे में पूछा। जब उन्हें सबसे छोटे बेटे की स्थिति का पता चला तो वह बहुत खुश हुए और उसे ही अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति का मुखिया घोषित किया। कहने का तात्पर्य यह है कि यदि व्यक्ति विवेक से काम ले तो कठिन से कठिन परिस्थितियां भी आसान हो सकती हैं। विवेक और परिश्रम ही सफल जीवन की कुंजी हैं।

शोध

गंभीर रोग न बन पाए बैक पेन

दफ्तरों में लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों में बैक पेन एक आम समस्या है। इससे बचने का आसान उपाय है एक्टिव रहना, यदि जरुरी हो तो ओवर द काउंटर पेनकिलर्स ले सकते हैं। जितने लम्बे समय तक आप इनएक्टिव रहेंगे आपके बैक मसल्स उतने ही कमजोर हो जाएंगे और वक्त बीतने के साथ समस्या और बढ़ती जाएगी।

पैरों को रखे जमीन पर

आपके पैर जमीन पर सीधे होने चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो पैरों को फुटरेस्ट पर रखें, इससे आपके पैर आरामदायक स्तर पर रहेंगे। पैरों को क्रोस करके न बैठें, इससे पोश्चर संबंधी समस्या हो सकती है।

माउस को रखें पास

जितना संभव हो माउस को करीब रखें। माउस मैट का प्रयोग करने से आपकी कलाइयों को सीधा रखने में मदद मिलती है। ताकि उन्हें बेवजह मोड़ना न पड़े। आप माउस को एक किनारे पा रख दें।

हो आसान पहुंच

जिन चीजों का नियमित इस्तेमाल करते हैं उन्हें अपने हाथ की पहुंच में रखें। टेलीफोन, स्टेपलर जैसी चीजें। चीजों तक पहुंचने के लिए खुद को स्ट्रेच करना या मोड़ना आपके बैक की सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

पेन की समस्या

लंबे समय तक कम्प्यूटर के सामने बैठे रहने से समस्या अधिक होने का खतरा रहता है। इस स्थिति में इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आपकी पोजिशन कितनी अच्छी है। इससे ज्यादा जरुरी है कि आप हर घंटे या आधा घंटा दो - तीन मिनट का विश्राम लें स्थान से उठते रहें। विशेषज्ञों का कहना है कि हर 30 मिनट बाद बैठे रहने के बीच में कम से कम एक से दो मिनट को ब्रेक लें।

सही तरीके से बैठे

अपनी कुर्सी को इस प्रकार से व्यवस्थित करें कि आपके लोवर बैक को पूरा सपोर्ट मिलें। सही तरीके से एडजस्ट की गई कुर्सी से आपके बैक पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाता है। आपकी हाइट, बैक की पोजिशन और झुकने का तरीका आपके हिप्स के लेवल पर ही अपने घुटनों को रखें। इसके लिए आपको फुटरेस्ट की जरुरत पड़ेगी।

इस प्रकार रखें कुर्सी

अपनी कुर्सी की ऊंचाई इतनी रखें कि आप कीबोर्ड का प्रयोग आपनी कलाईयों की मदद से कर पाएं और आपके हाथ सीधे व फ्लोर के स्तर पर हों।

सलाह

मन मस्तिष्क से जुड़ी पाचन क्रिया

कोई व्यक्ति भोजन कर रहा हो और मस्तिष्क विभिन्न परेशानियों से भरा हो जैसा की आमतौर पर होता है, ऐसी स्थिति में मानसिक क्षोभ की संवेदना तंत्रिकाओं के जरिए आमाशय में पहुंचेगी और जठर ग्रन्थियों को शिथिल कर देगी।

जो आहार हम खाते हैं उसे दांतों द्वारा पीसा जाता है। इस दौरान लार, मुंह एवं गले की अन्य ग्रन्थियों के रस द्वारा वह गीला होता रहता है। पतला पिस जाने पर वह जीभ एवं गले की मांसपेशियों द्वारा अन्न नली या ग्रसिका में धकेल दिया जाता है। यहां से वह आमाशय में पहुंचता है। जहां जठर ग्रंन्थियों के रस से उसका आंशिक पाचन होता है। फिर भी वह छोटी आंत में पहुंचकर आमाशय एवं यकृत के रस द्वारा पूरी तरह पचाया जाता है। जब बड़ी आंत में पहुंचने पर रक्त द्वारा पोषक पदार्थ अवशोषित कर लिए जाते हैं जो शरीर के शेष भागों में पहुंचा दिए जाते हैं। यह संपूर्ण पाचन क्रिया अनैच्छिक होती है। एक बार आपने भोजन को चबाकर निगल लिया फिर तंत्रिक प्रणाली के नियंत्रण में उसका पूर्णोद्वार होता है। यह सब हमारे अनजाने में ही चलता रहता है। अतः हमें अपने मन का कोई नियंत्रण इस पर नजर नहीं आता, लेकिन वास्तविकता ऐसी नहीं है, क्योंकि शरीर की समस्त क्रियाएं मन पर और मन समस्त प्रकट और अप्रकट क्रियाओं पर नियंत्रण करता है। उदाहरण के लिए हृदय का धड़कना अनैच्छिक क्रिया है, हम चाहें न चाहें दिल तो धड़केगा ही, लेकिन क्या जब हमें क्रोध आता है तो धड़कन बढ़ नहीं जाती? ज्यादा अवसाद की स्थिति मे नाड़ी धीमी हो जाती है। ये सब बातें शरीर की अनैच्छिक क्रियाओं का मन से सम्बन्ध दर्शाती है। यही बात पाचन पर भी लागू होती है। जैसे एसिडिटी के मामले में आमाशय में अति अम्लीयता हो जाती है, जिससे आमाशय में पहुंचने वाली तंत्रिकाओं के अग्र भाग भी अम्ल से क्षुब्ध हो जाते हैं और यह क्षोभ की संवेदना मस्तिष्क तक पहुंचा दी जाती है। परिणामस्वरुप सिरदर्द, चिड़चिड़ापन क्रोध आदि पैदा होते हैं। यह अवस्था अप्राकृतिक आहार के कारण पैदा हुई पाचन गड़बड़ी से प्राप्त मानसिक अस्वस्थता है। जब कोई व्यक्ति भोजन कर रहा हो और मस्तिष्क विभिन्न परेशानियों से भरा हो जैसा कि आमतौर पर होता है, ऐसी स्थिति में मानसिक क्षोभ की संवेदना तंत्रिकाओं के जरिए आमाशय में पहुंचेगी और जठर ग्रंथियों को शिथिल कर देगी। इससे जठर रस के स्त्राव में आई कमी पाचन को मंदा कर देगी जिससे अपचे भोजन से आंते भर जाएंगी। जो विभिन्न पाचन विकारों को पैदा करेंगी। ये विकार तंत्रिका सिरों को और भी क्षुब्ध कर मस्तिष्क को व्यग्र करेंगे। इस तरह से एक अंतहीन चक्र की शुरुआत होकर मानसिक अस्वस्थता को जन्म देती है। अतः भोजन ग्रहण करते समय अगर हम शांति से भोजन में मन न लगाएं और मन मस्तिष्क में विचारों की खलबली चलती रहे तो उपर्युक्त परिस्थितियां पैदा होंगी। हम जो भी खाते हैं उसका सात्विक और प्राकृतिक होना जितना जरुरी है उतना ही जरुरी है भोजन करते समय मन को परेशानियों, चिन्ताओं से मुक्त रखना। चिन्ताओं से घिरे रहने पर भोजन ठीक से चब नहीं पाता और अचेतनावस्था में भोजन मुंह में डालने एवं गले में निगलने की क्रिया चलती रहती है। अधचबे भोजन को पचाने में आहार नाल को ज्यादा श्रम करना पड़ता है। जिससे आहार नाल की तरफ रक्त बहाव ज्यादा होने से दूसरे अंगों को आवश्यकता से कम रक्त पहुंचता है। अनावश्यक उनकी कार्य प्रणाली में व्यवधान आता है।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सत्संग

श्री राम-कृष्ण कथा एवं दीन बंधु वार्ता

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवा महातीर्थ में 5 से 7 व 10 से 13 तथा 16 से 21 दिसम्बर 2018 तक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने 'श्रीराम- कृष्ण अवतार कथा'एवं सत्संग तथा दीनबंधु वार्ता में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने देश के विभिन्न भागों से निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में आए दिव्यांग भाई-बहिन एवं उनके परिजनों से अपने विचार साझा किये। 'संस्कार','आस्था','सत्संग' चैनलों पर देश भर में प्रसारित उनके विचारों को यहां संक्षिप्त रुप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील कौशिक व आदित्य चौबीसा ने किया।

'सुख प्रदाता है श्री राम कथा'

भगवान श्री रामचंद्र और उनकी कथा दोनों ही मंगलकारी एवं सुख प्रदाता हैं। जो भक्त सच्चे मन एवं भाव से उनकी शरण लेता है उसके सभी दुख समाप्त हो जाते हैं। श्री राम के जीवन में समता है। वे दुःख और सुख दोनों में सामान्य रहते हैं। हर जीव को परमात्मा के इस चरित्र से सीख लेनी चाहिए। आज के युवा वर्ग इस चरित्र से जीवन जीने की कला को जरूर सीखें। धर्म में अनन्यता और निष्ठा का बहुत महत्व है। इष्ट,गुरू या धर्म के प्रति अनन्य निष्ठा का तात्पर्य समझने की आवश्यकता है। धर्म का मर्म समझना चाहिए। मनुष्य को सहज व सरल होना चाहिए। ऐसे ही व्यक्ति पर भगवान की कृपा होती है। जो कर्म करें उसे ईश्वर की पूजा मानकर करें।मन में कपट न हो, जीवन में सादगी हो तभी जीवन सफल हो पाता है। जो जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल मिलता है। इंसान अच्छे कर्म करता है और अच्छे विचार मन में रखता है तो उसकी सोच सदैव सकारात्मक होगी। बुरे विचार मन में लाने से मनुष्य का जीवन कष्टों से घिर जाता है। अच्छाई से ही सब कुछ पाया जा सकता हैं।

पू. कैलाश जी 'मानव'

मन की शांति परम सुख

जीवन में कितने ही धन व ऐश्वर्य की संपन्नता हो, लेकिन यदि मन में शांति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी सुखी नहीं रह सकता। जिसके पास धन और भौतिक सुविधाओं की कमी है, पर उसका मन यदि शांत है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। वह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा। सुख का अंत दुख से होता है और दुख का अंत सुख से होता है, क्योंकि सुख में व्यक्ति अकर्मण्य हो जाता है और दुख में अपने कर्तव्य का ध्यान रखते हुए आचरण करता है। संस्कारी व्यक्ति ही समाज और राष्ट्र का निधि है। ज्ञानार्जन और धनार्जन यदि परमार्थ के लिए किया जाए,तो वही ज्ञान और धन सार्थक है। सिर्फअपने उपयोग के लिए अर्जित धन और ज्ञान दोनों का कोई महत्व नहीं। माता- पिता को चाहिए कि बच्चों को अच्छे संस्कार दें, ताकि वे अच्छे नागरिक बनकर देश और समाज की प्रगति में भागीदार बनें। मनुष्य को कम बोलना और मीठा बोलना आ जाए तो जीवन ही सार्थक हो जाए। जीवन को सार्थक बनाने के लिए आत्म मंथन करते हुए भगवान की भक्ति में समय लगाना चाहिए।

'सेवक' प्रशान्त भैया

दिव्य हीरोज-2019

दिव्यांगों के कौशल ने जीता दिल

मुम्बई में दिव्यांग एवं टैलेंट शो का उद्घाटन करते हुए डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी, प्रशान्त भैया व अन्य

नारायण सेवा संस्थान की ओर से मुम्बई में 6 जनवरी 2019 को आयोजित दिव्यांग टैलेंट एंड फैशन शो में दिव्यांग कलाकारों का हुनर देख हर दर्शक के मुंह से निकला 'वाह!' मौका था 'दिव्य हीरोज 2019-दिव्यांग टैलेंट एंड फैशन शो' का। जेवीपीडी ग्राउंड पर आयोजित इस शो में बड़ी संख्या में लोग उमड़े और प्रतिभाशाली दिव्यांगों का हौसला बढाया। इवेंट के समापन दौर में दिव्यांग कलाकारों के विभिन्न समूहों ने फैशन शो के 4 राउंड में व्हीलचेयर, बैसाखी और कैलीपर्स और कृत्रिम अंगों के सहारे अलग-अलग श्रेणियों में परफॉर्म किया। प्रत्येक राउंड में 10 दिव्यांग कलाकारों ने रैम्प वॉक किया।

कार्यक्रम का सबसे प्रमुख आकर्षण सुश्री दीया श्रीमाली का नृत्य था। दीया ऐसी दिव्यांग कलाकार है, जिसके हाथ पूरी तरह विकसित नहीं हो पाए हैं। जैसे-जैसे समारोह आगे बढता गया, दर्शकों ने बैसाखी राउंड, लघु नाटक, समूह नृत्य, व्हीलचेयर राउंड और कैलीपर राउंड के बाद दिव्यांग कलाकारों का बैक टू बैक रॉकिंग प्रदर्शन देखा। इस पूरे इवेंट में जो बात सबसे महत्वपूर्ण थी, वो यह कि दिव्यांग कलाकार भरपूर आत्मविश्वास के साथ अपने हुनर को लोगों के सामने पेश कर रहे थे, चाहे रैम्प वॉक का अवसर हो या फिर मंच पर स्टंट करने का मौका हो।

इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशांत अग्रवाल ने कहा, कि 'इस अद्भुत शो को देखने के बाद मेरे लिए इन सब पर यकीन करना मुश्किल था, क्योंकि मैंने इन दिव्यांगों को पहले सिलाई प्रशिक्षण लेते देखा और फिर उन्हें अपनी रचनात्मक दृष्टि से परिधान डिजाइन करते देखा था और अब उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ सैकड़ों लोगों के सामने रैम्प पर अपना हुनर पेश किया। मेरे लिए यह एक यादगार दिन है, जब हम एक साथ दिव्यांग लोगों की कामयाबी और उनकी उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं।'

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

महाकुंभ

संस्थान का सेवा एवं चिकित्सा शिविर

श्री अवधेशानन्द गिरी जी का स्वागत करते हुए संस्थापक-चेयरमैन पूज्य श्री कैलाश जी मानव, अध्यक्ष प्रशान्त भैया व निदेशक श्रीमती वंदना जी

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक एवं निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्या श्री कैलाश जी मानव के नेतृत्व में प्रयागराज महाकुंभ में मकर संक्रांति 15 जनवरी को पहला शाही स्नान किया। वे नारायण सेवा खालसा शोभायात्रा के रुप में निर्धारित घाट पर पहुंचे जहां उन्होने अन्य संत-महात्माओं के साथ स्नान किया। शोभायात्रा में निर्वाणी अनी अखाड़े के महंत धर्मदास व गौरी शंकर दास जी महाराज भी सजे -धजे वाहन में सवार थे। उनके साथ अयोध्या से आए निशान चल रहे थे। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि इस शाही सवारी में नारायण सेवा के स्वयं सेवकों की स्वच्छता आर्मी भी शामिल थी। 16 जनवरी को जूना पीठाधीश्वर श्री अवधेशानन्द गिरी जी ने चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। प्रयागराज और निकटवर्ती शहरों और कस्बों के दिव्यांगों के ऑपरेशन के लिए नियमित भर्ती की जा रही है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने साधु-संतो व उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए बताया कि प्रयागराज के झूंसी क्षेत्र के सेक्टर-14 में महाकुंभ मेला प्राधिकरण ने संस्थान को सेवा एवं चिकित्सा शिविर के लिए 1 लाख वर्ग फीट भूमि उपलब्ध कराई है। शिविर में दिव्यांगों के साथ-साथ जरुरतमंदो को कृत्रिम अंग व कैलीपर्स भी उपलब्ध कराए जा रहे है तथा शिविर में कथा, प्रवचन, सत्संग के नियमित प्रवचन हो रहे हैं।

चिकित्सा सहायता

मिलन फिर देख सकेंगे दुनिया

कुछ वर्ष पूर्व सड़क हादसे में आँखों की रोशनी खोने वाले मिलन भाई एक बड़े ऑपरेशन के बाद फिर से दुनिया को अपनी आँखों से देख सकेंगे। नारायण सेवा संस्थान ने इस ऑपरेशन के लिए दानदाताओं के माध्यम से मिलन को दो लाख 70 हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई है।

मेहसाना (गुजरात) निवासी मिलन लिम्बचिया किशोरावस्था में एक सड़क दुर्घटना में आँखों की रोशनी खो बैठे थे। विधवा माँ ने शहर के ही कई अस्पतालों में इलाज के बाद पिछले दिनों अहमदाबाद के निजी आई हॉस्पीटल में उसकी जाँच कराई तो पता चला कि एक बड़े ऑपरेशन के बाद मिलन फिर से दुनिया देख सकेगा। इस ऑपरेशन में खर्च करीब 3.50 लाख रुपए बताया गया। विधवा माँ जो आसपास के घरों में काम करके बमुश्किल परिवार को चलाती है, उसके लिए इतनी बड़ी रकम खर्च करना कतई संभव नही था। उन्होंने उदयपुर आकर संस्थान अध्यक्ष प्रशांत भैया से मिल कर अब तक के इलाज और डॉक्टरों की अनुशंसा से उन्हें अवगत कराया इस पर ऑपरेशन के लिए डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक 2.70 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

जन्मोत्सव

मानव जी का 73 वें वर्ष प्रवेश पर अभिनन्दन

गाजियाबाद (लोनी) के जे.पी शर्मा का जन्मोत्सव भी मनाया

संस्थान संस्थापक पूज्यश्री कैलाश जी 'मानव' के 73 वर्ष प्रवेश पर 2 जनवरी को सेवा महातीर्थ बड़ी में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम में संस्थान साधकों व देश के विभिन्न भागों से आए सेवा मनीषियों ने उनका बड़ी गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया। लियो का गुड़ा गांव के चौराहे से श्री मानव जी एवं सह - संस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी को सजी- धजी बग्गी में शोभायात्रा के साथ सेवा महातीर्थ के समारोह स्थल पर ले जाया गया। इस अवसर पर गाजियाबाद(उ.प्र) के समाजसेवी- दानवीर श्री जे.पी शर्मा का भी जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। शोभायात्रा में वे भी एक बग्गी में सवार थे। इस अवसर पर उनकी पौत्रियां सुश्री कीर्ति शर्मा व आकृति शर्मा भी विशेष रुप से उपस्थित थी। उल्लेखनीय है कि श्री जे.पी शर्मा ने अपने पैतृक शहर लोनी में फिजियोथैरेपी सेन्टर का निर्माण कर संस्थान को समर्पित किया है।

इस अवसर पर मानव जी ने कहा कि जीवन वही सार्थक है, जो दूसरों के काम आए। जीवन का हर क्षण आनन्द और उत्साह से भरपूर रहना चाहिए और इसके लिए दूसरों की सेवा और प्रभु का स्मरण ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने संस्थान की 33 वर्षों की सेवा यात्रा पर प्रकाश डालते हुए सहियोगियों का आभार व्यक्त किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि पं. उमेशानंद कोलकाता, कुसुम गुप्ता नई दिल्ली, सुरेश नुवाल भीलवाड़ा, प्रकाश मिश्रा ग्वालियर व रामकिशोर अग्रवाल दिल्ली थे। सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी ने कहा कि जो दूसरो की सेवा कर प्रसन्न रहता है वही सुखी हैं। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए घर-घर से एक - एक मुठ्ठी आटा एकत्रिकरण के माध्यम से मानव जी द्वारा 33 वर्षों में की गई सेवाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि आपश्री के जीवन का हर क्षण निर्धन , दरिद्र व असहाय लोगों की सहायता करने में बीता है। उन्होने श्री जे पी शर्मा व मानव जी के व्यक्तित्व के कुछ खास पक्षों पर भी प्रकाश डाला।

संस्थान निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने सर्दी के मौसम में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों को कंबल,स्वेटर, जैकेट आदि प्रदान करने की जानकारी दी। समारोह को निदेशक जगदीश आर्य, देवेन्द्र चौबीसा, विवेक पार्क समिति के डॉ. राजेश भरडीया तथा दुर्गा नर्सरी लाफ्टर क्लब के श्री सुभाष मेहता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्री जगदीश आकाश, श्रीमती सुशीला नुवाल, श्री कैलाश गदिया, श्री रमेश पटेल, डाकघर के प्रवर अधीक्षक श्री जे. एस. गुर्जर, विजया बैंक के श्री विकास चौधरी, डॉ. ओ.डी. माथुर, डॉ. बी. आर. शिंदे भी उपस्थित थे। संचालन महिम जैन ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

रक्तदान

नरवाना व उदयपुर में रक्तदान शिविर

215 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

नरवाना (हरियाणा) और उदयपुर में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। संस्थान की नरवाना शाखा द्वारा मानव मित्र मंडल के सहयोग से विश्व विकलांग दिवस की पूर्व संध्या पर 2 दिसम्बर को आर्य कन्या महाविद्यालय में रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें डॉ. गोविन्द राम के नेतृत्व में लाइफ लाइन ब्लड बैंक की टीम ने 135 यूनिट रक्त संग्रहित किया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता श्री हंसराज जी समैण व समाजसेवी रमेश जी गर्ग ने शिविर का उद्घाटन किया। संस्थान के हरियाणा प्रान्त संयोजक श्री धर्मपाल जी गर्ग ने अतिथियों व रक्तदाताओं का स्वागत किया। रक्तदाताओं का प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। श्री कृष्ण सेवा सदन का विशेष सहयोग रहा। मुख्य अतिथि ने सभी रक्तदाताओं को विशेष बैज प्रदान किए। शिविर में सर्व श्री संजय जी भारद्वाज, श्री भारतभूषण जी गर्ग, श्री कर्मचन्द जी मित्तल, श्री निखिल जी गर्ग, श्रीमती सुनीता जी नारंग, मोनू सिंगला, श्री महावीर जी गुप्ता, श्री दिनेश जी गोयल, श्री संदीप जी सिंगला, श्री राजेन्द्र जी गर्ग व रमेश जी सिंगला भी उपस्थित थे।

उदयपुरः सरल ब्लड बैंक के सहयोग से 23 दिसम्बर 2018 को संस्थान संस्थापक पद्मश्री पू. कैलाश जी 'मानव' के सानिध्य में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें युवाओं, वयस्कों के अतिरिक्त महिलाओं ने भी रक्तदान किया। मानव जी ने कहा कि सभी दान में रक्तदान महादान है। इससे मौत के मुंह में जाती जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि रक्तदान से रक्ताल्पता की बीमारी से जूझ रहें लोगों की जान बचाई जा सकती है। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने कहा कि हम रक्तदान करके न केवल एक व्यक्ति की जिंदगी बचाते हैं बल्कि उसके साथ जुड़े समूचे परिवार की जिंदगी बचाते हैं।

डॉ. नरेश यादव के नेतृत्व में सरल ब्लड बैंक की टीम ने 80 यूनिट रक्त संग्रहित किया। योगेन्द्र सिंह धीरावत, विक्रांत सिंह सांखला, कुशल गर्ग, अर्जुन लाल कुम्हार व युसुफ मोहम्मद ने सहयोग किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान किए गए।

सेवा को समर्पितः आर. एस. अरोड़ा

नारायण सेवा संस्थान के विशिष्ट सेवा प्रेरक एवं दानदाता शाहदरा, नई दिल्ली निवासी श्री रविशंकर जी अरोड़ा ने वर्ष 2019 के प्रारंभ में 101 दिव्यांग बच्चों की पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। पिछले वर्ष की शुरुआत भी आपने इसी प्रकार के सहयोग से की थी। संस्थान संस्थापक चेयरमैन पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव' को अपना सेवा आदर्श मानने वाले अरोड़ा परिवार नें अब तब 401 दिव्यांग बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा करने में सहयोग किया है। ये सभी बच्चे और उनके परिवार आपकी व आपके परिवार के सुस्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करते हैं। आपश्री का सदैव यही भाव रहता है कि देनहार कोई और है, जो देत रहत दिन रैन। लोग भरम मुझ पर करें, ताते नीचे नैन।' आपका अधिकांश समय सेवा कार्यों में ही व्यतीत होता है।

सहायता शिविर

दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

बागपत में उपकरण वितरण शिविर

नारायण सेवा संस्थान एवं सम्राट पृथ्वीराज डिग्री कॉलेज बागपत के संयुक्त तत्वावधान में 8 दिसम्बर 2018 को जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. सतपाल सिंह जी ने किया। अध्यक्षता एक्शन इंस्टिट्यूट, दिल्ली के चेयरमैन श्री नन्दलाल जी अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती अलकारानी जी, प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार जी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वेदपाल जी व समाजसेवी श्री सत्यभूषण जी जैन थे। शिविर में 45 दिव्यांगो का पंजीयन हुआ । जिनमें से जोधपुर के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एस एल गुप्ता ने 2 का ऑपरेशन के लिए चयन किया। अतिथियों ने 5 दिव्यांग को व्हील चेयर, 15 को ट्राईसाईकिल, 20 को वैशाखी की जोड़ीयां प्रदान की। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढढ्ढा व मुकेश त्रिपाठी ने शिविरार्थी दिव्यांगों एवं अतिथियों का स्वागत किया।

शहडोल में कल्ब फुट शिविर

नारायण सेवा संस्थान एवं रोटरी क्लब, शहडोल की ओर से शहडोल (म.प्र) में जन्मजात तिरछे पैरों से पीड़ित बच्चों की निशुल्क चिकित्सार्थ चयन व कल्ब फुट शिविर 23 दिसम्बर 2018 को लगा। नारायण सेवा संस्थान के चिकित्सक डॉ. तपश कुमार एवं उनकी टीम ने शिविर मे आए कुल पंजीकृत 170 दिव्यांगों में से ऑपरेशन योग्य 41 का चयन किया। आर्थोपेडिक सर्जन डॉ एस. के श्रीवास्तव ने उन बच्चों की जांच की जिनमें से 24 बच्चों को कल्ब फुट विकृति सुधार ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों में इस विकृति की समय पर पहचान होने से इसका उपचार संभव है और बच्चे सामान्य रुप से चल सकते हैं। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका की चेयरपर्सन श्रीमती उर्मिला कटारे ने किया। अध्यक्षता सी. एम. एच ओ डॉ. आर. के पाण्डे ने की। शिविर में विशिष्ट अतिथि रोटरी क्लब चेयरमैन श्री विनय जी तिवारी, श्री टी.पी मिश्रा जी रोटरी क्लब सचिव श्री नरेश जी सिंघल, कोर्डिनेटर श्रीमती कंचन पटेल व सिविल सर्जन डॉ. उमेश आदि उपस्थित थे। स्वागत शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

जम्मू में ऑपरेशन चयन शिविर

संस्थान की ओर से 8 दिसम्बर 2018 को महाजन हॉल शालीमार रोड, जम्मू में जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए निशुल्क जांच, चयन शिविर संपन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि शाखा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी ने किया। अध्यक्षता उपशाखाध्यक्ष श्री पी. आर गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि संस्थान शाखा सदस्य श्री राकेश जी शर्मा, सुभाष चन्द्र जी गुप्ता व श्री निर्मल जी शर्मा थे। शिविर में 60 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. तपस पी बेहरा ने जांच कर 7 दिव्यांगों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया। शिविर प्रभारी नरेन्द्र सिंह झाला ने शिविरार्थी दिव्यांगों एवं अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

फरीदाबाद में कृत्रिम अंग नाप शिविर

नारायण सेवा संस्थान व जग स्नेह ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में फरीदाबाद (हरियाणा) के आदर्श सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में 6 दिसम्बर 2018 को विशाल निशुल्क जन्मजात पोलियो सर्जरी चयन सहायक उपकरण वितरण एवं कृत्रिम अंग नाप शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 59 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ जिनमें से संस्थान के जयपुर आश्रम के टेक्नीशियन भंवर सिंह, अलीगढ आश्रम के श्री सुरेन्द्र जी व श्री विकास जी ने 37 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए नाप लिए। शिविर के मुख्य अतिथि जगस्नेह ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री जगदीश जी गुप्ता थे। अध्यक्षता ट्रस्टी व आयोजक श्री दीपक गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि, समाजसेवी श्री कैलाश जी गर्ग, श्री राजीव जी अग्रवाल, संस्थान शाखा संयोजक श्री नवल किशोर जी गुप्ता, शिविर संयोजक श्री हरि ओम जी शर्मा, प्रधानाचार्य श्री मनोज जी अरोड़ा थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती इंदु खरोड़ ने किया। अतिथियों ने जरुरतमंद दिव्यांगजन को 12 केलिपर्स प्रदान किए। कार्यक्रम प्रभारी हरि प्रसाद लढ्ढा व मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियो का स्वागत करते हुए संस्थान के निशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

सेनगांव में कृत्रिम अंग वितरण

नारायण सेवा संस्थान के ओर से सेनगांव, हिंगोली (महाराष्ट्र) में आयोजित शिविर में जिन दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग लगाने के लिए नाप लिए गए थे, उन्हें पिछले दिनों कृत्रिम अंग प्रदान कर दिए गए। संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2018 को सेनगांव स्थित तोषनीवाल कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय में शिविर आयोजित किया गया था। जिसमें उन 24 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए जिन्होंने विभिन्न दुर्घटनाओं में अपने हाथ या पैर गंवा दिए थे अथवा जन्मजात पोलियोग्रस्त थे।

इस शिविर का उद्घाटन सहायक धर्मदा आयुक्त रविन्द्र जी घायतडक ने किया व अध्यक्षता पुलिस उपाधिक्षक श्रीमती सुजाता पाटिल जी ने की। विशिष्ट अतिथि सिविल सर्जन डॉ. के आर श्रीवास, तोषनीवाल महाविद्यालय अध्यक्ष श्री बी.आर तोषनीवाल जी, महाविद्यालय विकास समिति अध्यक्ष श्री रमण तोषनीवाल, उमराव शेल्के, श्री गजानन शिक्षण प्रसारण मंडल के उपाध्यक्ष श्री सुभाषअप्पा एकशिंगे जी थे। संयोजन श्री हरि प्रसाद लढ्ढा ने किया।

सिरोही में दिव्यांग सहायता शिविर

सिरोही जिले के कालिंदी कस्बे में नारायण सेवा संस्थान एवं प्रेमचंद मानाजी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क सहायता उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के अनुसार शिविर में 153 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिनमें से डॉ. एस. एल गुप्ता ने जांच कर ऑपरेशन योग्य 38 का चयन किया। जरुरतमंद को 15 ट्राइसाइकिल, 5 को व्हील चेयर और 20 को बैसाखी की जोड़ियां प्रदान की गई। मुख्य अतिथि श्री ओटमल पटनी व विशिष्ट अतिथि श्री मोतीलाल जैन थे। अध्यक्षता श्री रणजीतमल सिंघवी ने की। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने दिव्यांगजन एवं अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में श्रीमती उज्ज्वला शाह, डॉ. प्रिया जैन, श्री रमेश शाह, श्री चम्पालाल जैन भी मौजूद थे। संचालन श्री दीपाराम व धन्यवाद ज्ञापन मुकेश त्रिपाठी ने किया।

कथा ज्ञान यज्ञ

शहर-गांव भक्ति का प्रवाह

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में धर्मप्रेमी महानुभाव तथा समाजसेवी संस्थाओं के सौजन्य से देश के विभिन्न शहरों-गांवों में धर्म, संस्कृति व अध्यात्म का संदेश पहुंचाने के लिए दिसम्बर 2018 व जनवरी 2019 में कथाओं एवं सत्संग के आयोजन सानंद सम्पन्न हुए। जिनका विविध चैनलों से देश व्यापी प्रसारण हुआ।

सबके कल्याण की सोचे, वही संत

जीवन का हर फैसला भगवान पर छोड़ दें। वह हर समय आपकी रक्षा करेंगे। ईश्वर के सामने अपनी इच्छाएं रखें, लेकिन समय तय न करें। भक्ति में विश्वास कमजोर नहीं होना चाहिए। यह बात 2 से 4 दिसम्बर 2018 तक नारायण सेवा संस्थान की ओर से दिव्यांगों की निःशुल्क चिकित्सा के लिए चम्पारण (बिहार) में आयोजित ''नानी बाई रो मायरो कथा''के समापन पर व्यासपीठ से राधास्वरुपा पूज्या जया किशोरी जी ने कही। उन्होंने कहा कि संत की प्रवृत्ति कल्याणकारी होती है, सच्चा संत वही है जो हमेशा जन कल्याण में लगा रहे। जो जीव मात्र के कल्याण की सोचे वहीं सच्चा संत है। जिस मनुष्य ने जन्म लेकर भी साधना, प्रभु भक्ति से विद्या, विनम्रता, दान, धर्म और सदाचार जैसे गुणों को नहीं अपनाया। ऐसा मनुष्य पशु के भांति है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सत्संग चैनल पर हुआ। संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

गलती स्वीकारना ही पश्चाताप

अपनी गलतियों को मानना ही सबसे बड़ा पश्चाताप है। यह वह गुर है जिसे व्यक्ति अपना ले तो कहीं भी कलह और अपराध की स्थिति ही नहीं रहेगी।यह बात नारायण सेवा संस्थान की ओर से 25 से 31 दिसम्बर 2018 तक आजमगढ़ (उ.प्र) के पहाड़पुर की श्रीकृष्ण गौशाला में सप्तदिवसीय भागवत कथा के दौरान व्यासपीठ से कथा वाचिका पूज्या राधा किशोरी जी ने कही। उन्होंने कहा कि जिस दिन व्यक्ति अपनी गलती स्वीकार कर पश्चाताप के लिए तत्पर हो जाता है, उसी वक्त से वह ईश्वर की दृष्टि में दोषमुक्त हो जाता है। हम अपने स्वार्थ के लिए जानबूझ कर या अनजाने में कई गलतियां कर बैठते हैं और इसका अहसास होने के बाद भी आत्मग्लानि अनुभव नहीं करते, यहीं हमारा सबसे बड़ा अपराध है - इससे बचें। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आस्था भजन चैनल पर किया गया। संचालन श्री हरि शेखर ने किया।

अनंत जीवों के रूप का केंद्र हैं श्रीकृष्ण

कृष्ण एक ऐसा चरित्र है जो जीव के अनंत रूप का एक मात्र केन्द्र है। यह बात नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगों की निशुल्क चिकित्सा एवं सहायक उपकरण उपलब्ध करानें में सहायता के लिए बरैली में आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा वाचिका पूज्य राधा स्वरुपा जया किशोरी जी ने कही। श्री त्रिवेदीनाथ मंदिर में राधा रानी सत्संग समिति के सौजन्य से 4 से 10 जनवरी तक आयोजित कथा का समापन उन्होंने यह कहते हुए किया कि जीव जिस केन्द्र से आता है उसी में समा जाता है परंतु इस केन्द्र बिन्दु से आने और जाने की जो आठ सीढ़ियां हैं वही योग का प्रशस्त मार्ग है। उन्होंने कहा कि योग जब संयोग में बदलता है तो जीवन की किरण प्रस्फुटित होती है। भागवत कथा को सुनने के लिए आसपास के कई गांव के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। कथा का सीधा प्रसारण सत्संग चैनल पर किया गया। संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (3)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन परमपूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का माता-पिता श्रीमती सोहनी देवी जी व पिताश्री मदनलाल जी अग्रवाल के सेवा-संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय और उदाहरणीय है। संकल्पित और समर्पित सेवा धर्म ने उन्हें सामाजिक व धार्मिक सेवा क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित किया। जिनमें भारत सरकार द्वारा पद्म (पद्मश्री) एवं संत समाज द्वारा 'आचार्य महामण्डलेश्वर' सम्मान भी शामिल है। बचपन से ही सेवा के संस्कारों से पल्लवित कैलाश जी के अत्यन्त निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' नामक पुस्तक में अत्यन्त सहज, सरल और भाव प्रणव भाषा में लिखा है।

सोहनी के आदर्शों से सब सहमत हों यह जरुरी नहीं। एक बार अपने रिश्तेदारों के यहां आयोजित कार्यक्रम में भी सोहनी ने काम करने वालों को मेहमानों से पहले खिलाने का प्रयास किया तो रिश्तेदार नाराज हुए और जीमने बैठे काम करने वालों को उठा दिया। सोहनी उस क्षण तो अपमान का घूंट पी गई मगर घर लौटकर बहुत रोई। मदन ने उसे समझाया कि सब लोग हमारी तरह नहीं होते तो उसका जी हल्का हुआ।

मदन प्रतिदिन पास- पड़ौस के बच्चों, स्त्रियों को घर बुला भजन कीर्तन करता रहता था। इस दौरान वह कई ज्ञान की बातें भी बताता था। इसी क्रम में उसने बताया कि बांट - बांट कर खाओ-बैकुण्ठ में जाओ। कैलाश को बापूजी की यह बात बहुत अच्छी लगी। अब वह अक्सर इस बात को दोहराता और प्रसन्न होता। मदन भी पुत्र को देख मुस्करा देता।

एक दिन कैलाश को किसी ने सिके हए भूंगड़े दिये तो वह उन्हें छील कर पास ही पड़े सिलबट्टे पर बांटने लगा। कैलाश की खुशी का पारावार नहीं था, आज वह अपने पिता द्वारा कही बात को चरितार्थ करने जा रहा था। भूंगड़ों को बांट कर खाने के बाद तो बैकुण्ठ जाने को मिलेगा। इस कल्पना मात्र ने ही उसमें उत्साह भर दिया। तभी मदन आ गया। पुत्र के उद्यम को देख कर सहज ही पूछ बैठा- बेटा क्या कर रहे हो?

कैलाश अपने पिता द्वारा बताई गई बात पर ही अमल कर रहा था इसलिए झट से बोल पड़ा- बापू जी आपने कहा था ना कि बांट - बांट कर खाना और बैकुण्ठ में जाना। मैं इन चनों को बांट रहा हूं और फिर खा लूंगा। फिर तो मैं बैकुण्ठ चला जाऊंगा ना? मदन अपने पुत्र के अबोधपन पर हंस पड़ा और उसे समझाया कि इस तरह बांट कर नहीं खाना, बल्कि जो तुम्हारे पास है उसे आस - पास सबमें बांट कर खाना। पिता की यह बात सुनते ही पिछले दिनों की एक घटना को याद कर कैलाश की आंखों में आंसू आ गये। मदन का मन पसीज गया, बोला अब क्यूं रो रहा है? पिता के प्रोत्साहन से कैलाश की रुलाई फूट पड़ी रोते - रोते कहने लगा- आप सबको बांटने की बात कहते रहते हो और जब भी प्रसाद बांटते हो तो पड़ौस के बच्चों को सबसे पहले और सबसे ज्यादा देते हो मुझे सबसे कम और बाद में देते हो। मैं तो आपका पुत्र हूं फिर भी पड़ौस के बच्चे आपको अधिक प्रिय हैं।

क्रमशः

संगोष्ठी

ऑर्थोपेडिक सर्जरी की दी तकनीकी जानकारी

यूएसए के डॉ. नन्दन शाह का अभिनंदन

नारायण सेवा संस्थान के सेक्टर 4 स्थित चैनराज सावंतराज पोलियो हॉस्पीटल सभागार में 3 जनवरी को ऑर्थोपेडिक सर्जन संगोष्ठी- 2019 का आयोजन किया गया। उद्घाटन संस्थान संस्थापक पू. श्री कैलाश जी 'मानव' ने किया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता फ्लोरीडा (यूएसए) के भारतीय मूल के डॉ. नन्दन शाह थे। उन्होने ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में नवाचार एवं उन्नत तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सेवाओं और सलाह की जब भी जरुरत पड़े वे हर समय सहयोग के लिए तैयार हैं। डॉ. ए.एस चुण्डावत, डॉ. ओ.डी. माथुर, डॉ. बी.आर. शिंदे और मानस रंजन साहू ने भी विचार साझा किए। आरंभ में डॉ. शाह का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने संस्थान के पोलियो करेक्टिव सर्जरी के अस्पतालों व उनमें होने वाने ऑपरेशनों की जानकारी देते हुए इस दिशा में अधुनातन तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डॉक्टर्स व बुद्धिजीवी मौजूद थे। डॉ. शाह का संस्थान की ओर से अभिनंदन किया गया। डॉ. शाह ने हिरण मगरी सेक्टर 4 एवं सेवा महातीर्थ बड़ी स्थित संस्थान के पोलियो करेक्टिव अस्पतालों के अवलोकन के साथ ही विभिन्न राज्यों से निशुल्क ऑपरेशन के लिए आए दिव्यांग बच्चों से भी मुलाकात की। कार्यक्रम का संचालन रविश कावड़िया ने किया।

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

बेबी रुयाना जैन
सुपुत्री श्रीमती दीपिका जैन
एवं श्री अंकित जैन
पंचकुला (हरियाणा)

श्री प्रीतम सिंह भारद्वाज
पंचकुला (हरियाणा)

श्री श्याम सुन्दर गोयल-श्रीमती सरस्वती
अहमदाबाद (गुजरात)

श्री एवं श्रीमती प्रो.एस.एन गौर
विदिशा (मध्य प्रदेश)

श्री एवं श्रीमती पी.सी. पाण्डे
मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री एवं श्रीमती गजानन्द दादाराव देशमुख-
बुलढाणा (महाराष्ट्र)

श्रीमती एवं श्री बन्ने सिंह जी
दौसा (राजस्थान)

श्री सूबेदार रामबीर सिंह-श्रीमती संतरा देवी
गुड़गांव (हरियाणा)

श्री एवं श्रीमती लाल चन्द्र सोमाणी
भीलवाडा (राजस्थान)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

Donate

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की करें मदद - बनें पुण्य के भागी

संस्थान के सभी सेवा प्रकल्पों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दानी सज्जनों की आवश्यकता है। आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

क्र.सं.	दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की संख्या	प्रति ऑपरेशन (धर्म माता-पिता)	प्रति ऑपरेशन दवाई	एक माह				सहयोग राशि (रु)	सर्वांग सेवा एक मुश्त सहयोग राशि(रु)
				भोजन	शिक्षा	हुनर	स्पोर्ट्स		
01	1	5000	1100	1500	500	400	600	9100	8100
02	2	9500	2200	3000	1000	800	1200	18200	16200
03	3	13000	3300	4500	1500	1200	1800	27300	24300
04	5	21000	5500	7500	2500	2000	3000	45500	40500
05	11	45000	12100	16500	5500	4400	6600	99500	89100
06	21	85000	23100	31500	10500	8400	12600	191100	170100
07	51	190000	56100	76500	25500	20400	30600	464100	413100

बनें नित्यदानी पालनहार भामाशाह

मासिक पालनहार भामाशाह	त्रैमासिक पालनहार भामाशाह	अर्द्धवार्षिक पालनहार भामाशाह	वार्षिक पालनहार भामाशाह

आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

'निःशुल्क दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ सामूहिक विवाह समारोह' हेतु करें सहयोग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोशाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिविर सहयोग

आपश्री अपने जन्म स्थल या कर्म भूमि पर शिविर का आयोजन कराकर पीड़ित मानवता की सेवा करें।

क्र.सं.	शिविर प्रकार	सहयोग राशि
01	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर	51000
02	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन एवं उपकरण वितरण शिविर	151000
03	विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर	500000
04	विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा शिविर	700000
05	विशाल निःशुल्क अन्न, वस्त्र एवं दवा वितरण शिविर	101000

आजीवन संरक्षक

आजीवन संरक्षक सहयोग राशि - 51000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 2 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 8 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

आजीवन सदस्य

आजीवन सदस्य सहयोग राशि - 21000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 3 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाई सौजन्य	21,000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-0294-6622222

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ अथवा दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति में दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु सहयोग कर इस दिन को यादगार बनायें....यह राशि संस्थान के कॉरपस फण्ड(स्थायी निधि) में जाती है, जिसके ब्याज से प्राप्त राशि से आजीवन वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग करवाई जायेगी । आपश्री स्वयं पधारकर अपने कर-कमलों से निवाला खिलायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000
02	दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000
03	एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000
04	नाश्ता सहयोग राशि	7000

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

क्र.सं.	दिव्यांग सहायक उपकरण	1 नग	2 नग	3 नग	5 नग	11 नग
01	श्रवण यंत्र	750	1500	2250	3750	8250
02	वैशाखी	800	1600	2400	4000	8800
03	वॉकर	1100	2200	3300	5500	12100
04	केलीपर	2000	4000	6000	10000	22000
05	व्हील चेयर	6000	12000	18000	30000	66000
06	तिपहिया साईकिल	7000	14000	21000	35000	77000
07	कृत्रिम हाथ/पैर	10000	20000	30000	50000	110000
08	स्कूटी	85000	170000	255000	425000	935000

एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी

(वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, बैडमिन्टन, चैस, टेबलटेनिस)

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा उदयपुर में प्रदान करने हेतु संस्थान द्वारा एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा हैं जिसमें सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्राशीक्षीत कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु 27 बीघा (लगभग 9 एकड) जमीन ली गई हैं, जिसके लिए भूदानियों एवं निर्माण सहयोगियों की आवश्यकता हैं। आपश्री भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनने का सुअवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। इस एकेडमी पर तकरीबन 10 करोड़ का खर्च आना हैं। अतः भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनकर अधिक से अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रोत्साहित करायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	भूदान सहयोगी	21000 रूपये
02	निर्माण सहयोगी	51000 रूपये

दानवीर भामाशाह

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 7 वर्ष रहेगी।
2.आपश्री वर्ष में 4 बार 6 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 28 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 4 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 2 बार 3 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 10 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 5 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 3 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 15 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 3 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 4 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी
मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड,
शाहगंज, पो.-भोगीपुरा, आगरा (उ.प्र.)

जयपुर, चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम
के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर (राज.)

इलाहाबाद
श्री बदरी लाल शर्मा
मो. 09983674371
बिल्डिंग नं. - 191-बी/1ई, लक्ष्मी निवास
राजरूपुर, इलाहाबाद

वाराणसी
श्री रमेश चन्द लालवानी
मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, वाराणसी

राजकोट
श्री तरूण नागदा
मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी
चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लोक नं.
15/2 युनीवसीटी रोड, राजकोट (गुजरात)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम
मो. 9316286419
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

कोलकाता
श्री मुकेश भटनागर, मो.07412060406
श्री प्रकाश नाथ मो. 09529920097,
म.न.-226, ए ब्लोक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुरुग्राम
श्री गणपत रावल
मो.-09529920084
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट,
राज टेलर के सामने, गुरूग्राम (हरियाणा)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

मुम्बई
श्री ललित लौहार
मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन
मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर
मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह
मो. 07073452174
एफ 1/3, हरि निकेतन सोसायटी,
सीएचएस लि., अपोजिट बसन्त1
गैलेक्सी, गोरेगांव वेस्ट, मुम्बई

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा, मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता, मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108
अनाज मण्डी, जुलाना, जींद (हरियाणा)

धनबाद (झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द
पो.-गोसाई बालिया, जिला-धनबाद

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पावोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142
उज्जवल भवन, बाडमेर कलेण्डर
रोड, बालोतरा

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल, मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोरारले लेआउट, बस स्टेण्ड
के पास, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

नरवाना (हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग, मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना, जीन्द

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा, मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड, सुमेरपुर, पाली

अम्बाला केन्द
श्री मुकुट बिहारी कपूर, मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला
केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001 (हरियाणा)

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता, मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी
चित्तौड़ रोड, बून्दी (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा, मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा, मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर, द्वितीय
मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस
रोड, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा, मो. 08899366480
09027026890, 1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20, पार्ट-द्वितीय, सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता, मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड, वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी, न.-028847991
9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय
पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता, मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट, 5 फ्लोर, कस्तूरबा
रोड, मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र, मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल, मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मचकोटिया, मो. 09418061161
जामलीथाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा, मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड,
झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974, 64ए ओल्ड
विजयनगर कॉलोनी, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू, नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन, मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र,
मेन रोड सदर थाना गली,
हजारीबाग (झारखण्ड)

मथुरा
श्री दिनेश चन्द वर्मा, मो. 06397016918
927एफ, गोविन्दनगर, अंगीरा
धर्मशाला के सामने, मथुरा

खरसिया
श्री बजरंग बंसल, मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब
शनि मन्दिर के पास, खरसिया (छ.ग.)

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड, 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता, मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल, मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, मो.-09024749075, के.वी.
पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला, मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा, मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

भोपाल
श्री विष्णु शरण जी सक्सेना, मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड जिला - भोपाल (म.प्र.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल, मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

अम्बाला
श्री गिरीश त्रिवेदी, मो. 7023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी, मधुर विहार, 7023101175
फेज-2, बंजारावाला रोड, बंगाली कोठी
के पास, देहरादून-248001

रोहिणी
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8, स्वीमिंग पूल
के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

लोनी
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
साधक : धर्मेश गर्ग, 7023101156
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी
सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला,
चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास
लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार, मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास, मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी,
टीबी हॉस्पीटल के पीछे,
गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़
रोड, हाथरस (यू.पी.)

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा, बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807, गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने
करनाल रोड, कैथल

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़
मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी
मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर
बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत
09573938038
4-7-123, लीलावती भवन
संतोषी माता मंदिर के पास,
इसामिया,बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2) न्यू डायगोनल रोड़,
भीमा ज्वेलर्स के पीछे 3-ब्लॉक,जयानगर, बैंगलूरू

इंदौर
श्री जितेन्द्र पटेल
मो. 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा,
14 कल्पना लोक
कॉलोनी, खजाना मंडी रोड़, इंदौर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली सगरामपुरा,
सब जेल के सामने,रिंग रोड,सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

इन्दौर
श्री जितेन्द्र पटेल, 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा, 14 कल्पना लोक
कॉलोनी, चन्द्रलोक रिक्शा स्टेण्ड गली, आनन्द
बाजार के पास,खजराना मैन रोड़, इन्दौर

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान
मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी,
मोक्ष मार्ग निवारू
झोटवाड़ा,जयपुर

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर
मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब
नेशनल बैंक के पीछे,आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं
भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी
'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ
समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

संस्थान के परम
संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
यूके

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

आपश्री से विनम्र अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के बच्चों को शिक्षा हेतु अपना योगदान प्रदान करें ताकि आपश्री के आशीर्वाद एवं योगदान से ये बच्चे आत्म निर्भर होकर देश के विकास में सम्मान के साथ अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

1. एक बच्चे की शिक्षा हेतु दानराशि (कक्षा के जी से बारहवीं तक 4.5 लाख रूपये)
2. एक कक्षा (20 बच्चों) की शिक्षा हेतु दान राशि 1 वर्ष के लिए 6 लाख रूपये
3. सम्पूर्ण बैच (20 बच्चों) की (केजी से बारहवीं) तक की शिक्षा हेतु दान राशि 90 लाख रूपये
4. एक बच्चे का शिक्षा, भोजन, स्टेशनरी आदि का सम्पूर्ण मासिक खर्च 3000 रूपये
5. एक बच्चे का सम्पूर्ण खर्च 36 हजार रूपये

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

Seva Soubhagya 1 February, 2019 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2017-2019. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 3,50,000) cost- Rs.5/-

कुम्भ महापर्व-2019

51 दिवसीय विशाल सेवा, भक्ति, ज्ञान एवं अध्यात्म यज्ञ शिविर

दिनांक - 7 जनवरी से 5 मार्च, 2019 **समारोह स्थल : कुंभ प्रांगण इलाहाबाद (उ.प्र.)**

- 15 जनवरी : मकर संक्रांति प्रथम शाही स्नान
- 21 जनवरी : पुष्प पूर्णिमा
- 4 फरवरी : मौनी अमावस्या द्वितीय शाही स्नान
- 10 फरवरी : बसंत पंचमी तृतीय शाही स्नान
- 19 फरवरी : माघी पूर्णिमा
- 4 मार्च : महा शिवरात्रि

आपश्री की सेवामें

- भोजन सहयोग (एक समय) : 2100/- प्रतिदिन
- 6 या 4 व्यक्ति सामूहिक आवास : 2100/-प्रतिदिन
- आवास व्यवस्था (सेपरेट) : 1500/- प्रति रुम
- डोरमेट्री : 500/- प्रतिदिन

रोगी भोजन सहयोग

- 50 रोगी प्रतिदिन-दोनों समयः- 22,000/-
- 50 रोगी प्रतिदिन-एक समयः- 11,000/-

बने यजमान

- कथा मुख्य यजमानः-1,51,000/-
- प्रसादी वितरण प्रतिदिनः- 51,000/- (भण्डारा)
- नाश्ता सहयोगः- 5,100/-
- भोजन प्रसाद यजमानः- 11000/- (एक समय)
- प्रतिदिन आरती यजमानः- 5,100/-
- व्यास पूजन यजमान प्रतिदिनः- 2,100/-

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
0294-6622222